द्वि दिवसीय कार्यशाला

"अनुसंधान की स्थिति, प्रक्रिया एवं दिशा"

(15–16 फरवरी, 2018)

प्रति,

विभागाध्यक्ष,

विश्वविद्यायालय के समस्त शिक्षण विभाग

प्राचार्य,

समस्त महाविद्यालय

महोदय/महोदया

प्रो. कपिलदेव मिश्र, माननीय कुलपति, रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के मंशानुसार विश्वविद्यालय के सभी शोधरत शोधार्थियों के लिये दिनांक 15–16 फरवरी 2018 को द्वि दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाना निश्चित है। इस संगोष्ठी में निम्न लिखित बिन्दुओं पर विचार किया जाना है, यथा–

1. *अनुसंधान का भारतीय दृष्टि*
2. *उच्च शिक्षा में अनुसंधान की वर्तमान स्थिति एवं प्रक्रिया*
3. *अनुसंधान का नीतिशास्त्र एवं राजनीति*
4. *अनुसंधान एवं कम्प्यूटर का प्रयोग*
5. *अनुसंधान की प्रशासनिक समस्याएं*
6. *अनुसंधान कर्त्ता की समस्याएं*

आपसे यह अनुरोध है, कि विभाग के सभी शोधार्थियों को संलग्न सूचनानुसार सहभागिता हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

विभाग से संलग्न पंजीयन आवेदन पत्र को अनुसंशित एवं अग्रसारित करने का कष्ट करें। अंतिम रूप से पूर्ण भरे हुए पंजीयन आवेदन पत्र की स्कैन्ड प्रति दिनांक 12 फरवरी 2018 तक cssthakursociology@gmail.com पर ई मेल किया जा सकता है अथवा कार्यालय, जनजातीय अध्ययन विभाग, राजशेखर भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में जमा किया जा सकता है।

नोट :– इस संगोष्ठी में सहभागिता हेतु किसी भी प्रकार का पंजीयन शुल्क नहीं लिया जायेगा।

सादर

भवदीय

प्रो, सी. एस. एस. ठाकुर
आचार्य एवं अध्यक्ष
समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग तथा
प्रभारी आचार्य, जनजातीय अध्ययन विभाग,
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

द्वि दिवसीय कार्यशाला
"अनुसंधान की स्थिति, प्रक्रिया एवं दिशा"
(15–16 फरवरी, 2018)

प्रत्येक मानव समूह की यह प्रबल प्रत्याशा होती है कि समाज के विभिन्न घटकों से संबंधित विभिन्न घटनाओं, परिस्थितियों, समस्याओं के विषय में विस्तृत सूचनाएं उन्हें प्राप्त हों जिसके आधार पर एक ज्ञान मूलक समाज के रूप में उसका रूपांतरण हो तथा किसी समाज के व्यक्तियों के द्वारा आंतरिक एवं बाह्य चुनौतियों को तर्कपूर्ण रूप में समझा जा सके साथ ही उसके प्रत्युत्तर के लिये अपने को तैयार किया जा सके। यह न केवल सामाजिक संदर्भ में बल्कि जैविकीय, भौतिक, रासायनिक, भेषज, चिकित्सकीय तथा प्राकृतिक वास्तविकताओं के विषय में लागू होता है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अहम् भूमिका निर्वाह करने वाले विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण आयाम 'शोध' या 'अनुसंधान' का कार्य होता रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में परास्नातक तथा शोध से संबंधित उपाधियों के लिये पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं जो 'अंतःविषयक' एवं 'अन्तर्विषयक' हुआ करते हैं।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता में उन्नयन की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है तथा शोध के आधार पर विषयों/ज्ञान के क्षेत्र का संशोधन एवं रूपान्तरण हेतु नवीन नीतियों का निर्माण राष्ट्रीय एजेन्सियों के द्वारा किया जा रहा है। शोध उपाधियों को प्रमाणिक स्तर पर लाने हेतु नवीन पद्धति (Method) को लागू किया गया है, जिसके लिये शोधपूर्व पाठ्यक्रम को समाहित किया गया है।

वर्तमान में आवश्यकता है शोध छात्रों को शोध कार्य की वर्तमान स्थिति, प्रक्रिया एवं संबंधित आवश्यक पहलुओं से परिचित कराने की तथा उनकी प्रतिक्रिया जाननें की। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के सभी विभागों एवं शोध केन्द्रों के शोध छात्रों के लिये द्वि दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार व्यक्त किये जायेंगे साथ ही शोधार्थियों के द्वारा उनकी शोध संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विचार भी आमंत्रित किये जायेंगे। इस कार्यशाला में निम्न लिखित बिन्दुओं पर विचार किया जाना है, यथा–

1. *अनुसंधान का भारतीय दृष्टि*
2. *उच्च शिक्षा में अनुसंधान की वर्तमान स्थिति एवं प्रक्रिया*
3. *अनुसंधान का नीतिशास्त्र एवं राजनीति*
4. *अनुसंधान एवं कम्प्यूटर का प्रयोग*
5. *अनुसंधान की प्रशासनिक समस्याएं*
6. *अनुसंधान कर्त्ता की समस्याएं*

समस्त विभाग एवं शोध केन्द्रों के सभी शोधार्थी संलग्न सूचनानुसार सहभागिता सुनिश्चित करें।
संलग्न पंजीयन आवेदन पत्र सुस्पष्ट लेख में पूर्ण रूप से भर कर तथा विभाग/शोध केन्द्र से अनुसंशित एवं अग्रसारित कर, स्कैन्ड प्रति के रूप में दिनांक 12 फरवरी, 2018 तक cssthakursociology@gmail.com पर ई मेल करें अथवा कार्यालय, जनजातीय अध्ययन विभाग, राजशेखर भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में जमा करें।
इस कार्यशाला में सहभागिता हेतु किसी भी प्रकार का पंजीयन शुल्क नहीं लिया जायेगा।
विशेष : निर्धारित तिथि उपरांत प्राप्त पंजीयन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रो, सी. एस. एस. ठाकुर
आचार्य, समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग तथा
प्रभारी आचार्य, जनजातीय अध्ययन विभाग,
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

पंजीयन प्रपत्र

द्वि दिवसीय कार्यशाला
"अनुसंधान की स्थिति, प्रक्रिया एवं दिशा"
(15–16 फरवरी, 2018)

शोध छात्र नाम (हिन्दी में) .....

(अंग्रेजी में) .....

पत्राचार का पूर्ण पता ... .

.....

फोन नम्बर ..... ई मेल .....

विषय / विभाग .....

शोध पंजीयन की तिथि .....

शोध केन्द्र का नाम ... .

शोध शीर्षक ....

....

शोध निदेशक का नाम ... .

शोध केन्द्र/शोध निदेशक की अभ्युक्ति –

(हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा सहित) .....

.....

दिनांक – (प्रतिभागी के हस्ताक्षर)

नोट :– पंजीयन की अंतिम तिथी 12 फरवरी, 2018 निर्धारित है। पंजीयन आवेदन पत्र को ई–मेल cssthakursociology@gmail.com पर प्रेषित करें या जनजातीय अध्ययन विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (मप्र.) में कार्यालयीन अवधी में जमा करें। निर्धारित तिथि उपरांत प्राप्त पंजीयन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।